हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 15 दिसंबर 2025

तापमान
अधिकतम 26.3 डिग्री
न्यूनतम 6.2 डिग्री

11 स्वास्थ्य वाहिनी बना जन आंदोलन, महिलाओं ...

12 अग्निवीर : कड़ाके की ठंड में भी युवाओं में देशभक्ति ...

शहर में आज

- अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग।
- नगर निगम की दो टीम चलाएंगी अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान।

खबर संक्षेप

ब्रह्माकुमारीज सेंटर में रक्तदान शिविर आज

महम। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थानीय शाखा में सोमवार 15 दिसंबर को रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। बीके सुमन ने बताया कि सेंटर का यह तीसरा रक्तदान कैंप हैं। शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। इच्छुक रक्तदाता समय पर पहुंचकर रक्तदान कर सकते हैं। ओम शांति सेंटर महम की संचालिका बीके चेतना बहन ने अधिक से अधिक युवक युवतियों से रक्तदान की अपील की है।

चार युवकों को नशीले पदार्थ सहित किया काबू

रोहतक। जिला पुलिस की एएनसी स्टाफ की टीम ने ऑपरेशन डोमिनेशन अभियान के तहत गाडी सवार चार युवकों को नशीले पदार्थ सहित काबू किया गया है। युवकों से 218 ग्राम चरस बरामद हुआ है। इनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना लाखनमाजरा में केस दर्ज कर कार्रवाई की गई हैं। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। प्रभारी एएनसी स्टाफ पीएसआई मनोज कुमार ने बताया कि एएसआई राजेश के नेतृत्व मे एएनसी की टीम आउटर बाईपास गोहाना चौक लाखनमाजरा के पास गश्त मे मौजूद थी। सूचना के आधार पर लाखनमाजरा नहर पुल के पास नाकाबंदी करते हुये जींद की तरफ से आ रहे गाड़ी सवार युवकों को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान पवन निवासी मकडौली कला, महेश उर्फ मोंटी निवासी बलियाना, अमित व शंकर निवासी बालंद के रुप मे हुई। नियमानुसार तलाशी लेने पर गाडी से 218 ग्राम चरस बरामद हुआ है। युवकों से पूछताछ की जा रही है।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की हुई बैठक

रोहतक। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की मासिक बैठक रविवार को ग्राम सेवक संघ कार्यालय, माधव कुंज, हुडा कॉम्प्लेक्स में जिला संयोजक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पंचायत के सदस्यों की उपस्थिति रही और संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक की शुरुआत ईश वंदना के साथ की गई। इसके पश्चात वर्ष 2025 की अब तक की गतिविधियों की समीक्षा की गई। सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष 14 सितंबर से 31 दिसंबर तक उपभोक्ता जागरूकता से जुड़े।

युवक को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस की सीआईए-2 स्टाफ की टीम ने ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन अभियान के तहत युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार करने में सफलता पाई। आरोपी से एक देसी कट्टा बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत अभियोग अंकित कर कार्यवाही की गई है। सीआईए-2 स्टाफ एसआई सतीश कुमार ने बताया कि सीआईए-2 स्टाफ की टीम बाबा खाटू श्याम चौक बाहद रकबा गांव बहुअकबरपुर के पास गश्त में मौजूद थी।

दृश्यता 10 मीटर से भी कम रही रेंग-रेंगकर चले वाहन, हादसों में 24 से अधिक लोग घायल

कोहरे का कहर: खरकड़ा के पास एनएच 152 डी पर 50 से अधिक वाहन भिड़े, दो की जान गई

मृतकों की पहचान दादरी में रानीला के आशीष और जींद के शामलो निवासी सोहन लाल के रूप में हुई

रोहतक के पहरावर में भी हादसे में एक की हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

जिले में रविवार की सुबह घनी धुंध देखने को मिली। जिसकी वजह से दृश्यता 10 मीटर से भी कम रही। कम दृश्यता की वजह से वाहन सड़कों पर रेंग-रेंगकर चल रहे थे। धुंध की वजह से सुबह खरकड़ा गांव के पास एनएच-152 डी पर धान से भरा एक ट्रक पलट गया। इस ट्रक से पहले एक वाहन टकराया। उसके बाद देखते ही देखते एक के बाद एक दर्जनों वाहन आपस में भिड़ गए। इस हादसे में 20 से अधिक लोग घायल हो गए। जबकि दो युवकों की मौत हो गई। एक युवक की पहचान दादरी जिले के रानीला गांव निवासी करीब 30 वर्षीय आशीष पुत्र सुरेश के रूप में हुई है। दूसरे मृतक की पहचान जींद जिले के गांव शामलो निवासी करीब 35 वर्षीय सोहन लाल के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही महम थाना प्रभारी सुभाष मौके पर पहुंचे। बहु अकबरपुर थाना पुलिस को मदद के लिए मौके पर बुलाया गया। पुलिस घायलों को उपचार के लिए रोहतक पीजीआई लेकर पहुंची। पुलिस ने घायलों को ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं पहरावर के पास हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

धुंध के कारण वाहन एक दूसरे से भिड़ते चले गए

महम। खरकड़ा गांव के पास 152 डी हाईवे पर धुंध की वजह से दुर्घटनाग्रस्त हुए वाहन। फोटो: हरिभूमि

युवाओं ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया

प्रत्यक्षदर्शी खरकड़ा गांव निवासी विकास सिवाच ने बताया कि सुबह साढ़े 6 बजे वाहन एक्सीडेंट होना शुरू हुए थे। थोड़े थोड़े अंतराल के बाद एक के बाद एक कई वाहन भिड़ते चले गए। एसएचओ महम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गए थे। लेकिन पर्याप्त पुलिस बल न होने की वजह से गांव के लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। साढ़े 11 बजे तक 70-80 वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो चुके थे। खरकड़ा गांव के युवाओं ने प्राइवेट वाहनों में घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में बड़े वाहन ज्यादा थे, जिनमें कई ट्रक, कैंटर और एक बस शामिल थे। हालांकि कार भी हादसे का शिकार हुई हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग 152 डी पर यातायात ठप हो गया

जानकारी के अनुसार, सुबह हुए हादसों में सड़क पर 20 से अधिक वाहन आपस में भिड़ जाने की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग 152 डी पर यातायात ठप हो गया। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद सड़क से वाहन हटवाए। कई क्रेन मौके पर बुलाई गई, जिन्होंने रोड को खाली किया। दिनभर महम थाना पुलिस हाइवे पर व्यवस्था बनाने में लगी रही। पुलिस ने दोपहर बाद भी एक ट्रक से एक घायल को बाहर निकाला। हादसा इतना भयावह था कि सड़क पर जगह जगह खून से लथपथ लोग पडे हुए थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे। इनमें से कुछ बेहोश पड़े हुए थे। हादसे के बाद हाइवे पर चीख पुकार मच गई। चीख पुकार व मदद के लिए चिल्ला रहे लोगों की आवाज सुनकर खरकड़ा गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। पुल के नीचे दिल्ली हिसार हाइवे से गुजर से लोगों ने भी ऊपर 152 डी पर पहुंचकर इस मंजर को देखा। हादसा इतना भीषण था कि दुर्घटना का शिविर हुए लोगों को वाहनों के दरवाजे काटकर बाहर निकाला गया।

बस ने पशुओं को टक्कर मार दी

पुलिस के मुताबिक गांव बैंसी के पेट्रोल पम्प पास एक प्राईवेट बस नम्बर एचआर 61डी 8571 भिवानी से गोहाना (सोनीपत) जा रही थी। ज्यादा धुंध होने के कारण बस ने पशुओं को टक्कर मार दी। हादसे में दो भैंस व एक कटड़ी की मृत्यु हो गई। गनीमत यह रही कि पशु पालक बस की चपेट में आने से बच गए।

पिकअप के ट्रकों के बीच फंसने से हुआ हादसा

थाना शिवाजी कॉलोनी क्षेत्र में धुंध के कारण गांव पहरावर के पास आउटर बाईपास पर एक पिकअप का दो ट्रकों के बीच फंसने से एक्सीडेंट हो गया। पिकअप गाड़ी में एक व्यक्ति फंसा हुआ है, जिसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने क्रेन बुलाकर व्यक्ति को निकाला गया, जिस कारण से कुछ समय के लिए एक तरफ से पूरा रोड बाधित रहा।पुलिस के मुताबिक मृतक की शिनाख्त सतपाल के रूप में हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया गया।

गाड़ी के परखच्चे उड़ गए

घायल पीजीआई में भर्ती

पहरावर के पास हुआ हादसा

7वीं नेशनल योग चैंपियनशिप में धाकड़ प्रदर्शन

हरियाणा के खिलाड़ियों ने पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। पंजाब के अमृतसर स्थित बीबीके कॉलेज ऑफ वूमेन में 13 से 14 दिसंबर तक सिख गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित 7वीं नेशनल योगा चैंपियनशिप में हरियाणा के योग खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए रोहतक के प्रेम नगर स्थित जनक राज योगा स्टूडियो के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया।

योगा कोच डॉ. जनक राज ने बताया कि अंडर-8 वर्ष गर्ल्स वर्ग में दियाक्षा ने ट्रेडिशनल योग इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल और आर्टिस्टिक सोलो इवेंट में सिल्वर मेडल हासिल किया। इसी प्रकार अंडर-10 वर्ष बॉयज़ वर्ग में आरव सिंह ने ट्रेडिशनल योग इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। अंडर-14 वर्ष बॉयज वर्ग में आदर्श ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ट्रेडिशनल इवेंट में गोल्ड मेडल और आर्टिस्टिक सोलो इवेंट में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इसके अलावा अंडर-16 वर्ष बॉयज वर्ग में राज नंदन ने ट्रेडिशनल योग इवेंट में सिल्वर मेडल जीतकर हरियाणा की झोली में एक और पदक जोड़ा।

नाटक समाज की सच्चाइयों को उजागर कर लोगों को सोचने के लिए करता है प्रेरित

'अंधों का हाथी' नाटक ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सप्तक कल्चरल सोसायटी द्वारा आयोजित घर फूंक थियेटर सीरिज के अंतर्गत चल रहे एकल नाटक फेस्टिवल का समापन शरद जोशी के चर्चित नाटक 'अंधों का हाथी' के प्रभावशाली मंचन के साथ हुआ। स्थानीय स्कॉलर्स रोजरी स्कूल में प्रस्तुत इस नाटक को डिवाइन सोशल डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन, पटना की ओर से मंचित किया गया। बिस्मिल्लाह खां अवार्ड से सम्मानित कलाकार स्वरम उपाध्याय ने नाटक का अभिनय और निर्देशन दोनों संभालते हुए अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया।

नाटक में पार्श्व संगीत विजयेंद्र कुमार का रहा, जबकि प्रोडक्शन की जिम्मेदारी विवेक कुमार ने निभाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्योगपति जगमोहन मित्तल रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नाटक समाज की सच्चाइयों को उजागर कर लोगों को सोचने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने आयोजक विश्व दीपक त्रिखा के प्रयासों की सराहना करते हुए कलाकारों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सप्तक के अध्यक्ष अविनाश सैनी ने किया। अंधों का हाथी' शरद जोशी का प्रसिद्ध हास्य-व्यंग्य नाटक है, जो राजनीति और व्यवस्था पर तीखा प्रहार करता है। नाटक में 'हाथी' महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं का प्रतीक है, जबकि 'अंधे' नेता जनता को गुमराह करते नजर आते हैं। यह प्रस्तुति दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है।

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि उद्योगपति जगमोहन मित्तल। फोटो: हरिभूमि

नाटक तिरिछ का प्रभावशाली मंचन

सप्तक कल्चरल सोसायटी द्वारा आयोजित घर फूंक थियेटर सीरिज के अंतर्गत एकल नाटक फेस्टिवल में प्रसिद्ध लेखक उदय प्रकाश की चर्चित कहानी 'तिरिछ' का सशक्त मंचन किया गया। स्थानीय स्कॉलर्स रोजरी स्कूल में आयोजित इस प्रस्तुति को डिवाइन सोशल डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन, पटना की ओर से प्रस्तुत किया गया। एकल अभिनय में विवेक कुमार ने अपने प्रभावशाली और जीवंत अभिनय से दर्शकों को बांधे रखा और खूब सराहना प्राप्त की। नाटक का निर्देशन स्वरम उपाध्याय ने किया, जबकि संगीत विजयेंद्र कुमार का रहा। 'तिरिछ' एक आधुनिक त्रासदी पर आधारित नाटक है, जो गांव की सादगी और शहर की संवेदनहीनता के बीच के टकराव को उजागर करता है। कहानी एक ऐसे व्यक्ति की पीड़ा को दर्शाती है।

योजना कन्हेली एसटीपी से कनेक्ट होगी नई स्ट्रोम वाटर लाइन, बरसात में जल भराव से मिलेगी राहत

2.85 करोड़ से एमडीयू के आसपास क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था बेहतर बनाने की कवायद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

बरसात के मौसम में शहर के प्रमुख इलाकों में होने वाले जलभराव की समस्या को स्थायी रूप से खत्म करने की दिशा में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने नई योजना तैयार की है। एमडीयू गेट नंबर-1 के सामने बने डिस्पोजल को स्ट्रोम वाटर लाइन से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। इस परियोजना पर करीब 2 करोड़ 85 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। नई पाइपलाइन को कन्हैली के सामने स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़ा जाएगा, जिससे बरसाती पानी की निकासी तेज और प्रभावी ढंग से हो सकेगी। वर्तमान में एमडीयू गेट नंबर-1, दिल्ली रोड और सेक्टर-14 का क्षेत्र बारिश के समय सबसे अधिक प्रभावित रहता है। थोड़ी ही देर की बारिश में यहां सड़कों पर पानी भर जाता है और हालात इतने खराब हो जाते हैं कि दो से तीन फीट तक जलभराव हो जाता है। इससे विद्यार्थियों, स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार लंबे समय तक पानी जमा रहने के कारण यातायात भी बाधित हो जाता है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मौजूदा डिस्पोजल सिस्टम की क्षमता सीमित है, जिस कारण बरसाती पानी समय पर आगे नहीं जा पाता। इसी कमी को दूर करने के लिए स्ट्रोम वाटर लाइन की टेपिंग की योजना बनाई गई है। नई लाइन बनने के बाद बरसाती पानी सीधे एसटीपी तक पहुंच सकेगा और सड़कों व रिहायशी इलाकों में जमा नहीं होगा। यह पाइपलाइन आधुनिक तकनीक के तहत बिछाई जाएगी, जिसकी वहन क्षमता अधिक होगी। अधिकारियों का कहना है कि भारी बारिश की स्थिति में भी यह सिस्टम प्रभावी ढंग से काम करेगा। इससे न केवल जलभराव की समस्या खत्म होगी, बल्कि सड़कें भी लंबे समय तक सुरक्षित रहेंगी।

मुख्यालय से मिली स्वीकृति

जन स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस परियोजना को प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी और उसके बाद कार्य आरंभ कर दिया जाएगा। विभाग का प्रयास है कि आगामी मानसून से पहले इस योजना को पूरा कर लिया जाए, ताकि बारिश के दौरान लोगों को राहत मिल सके। इस परियोजना के पूरा होने से एमडीयू, दिल्ली रोड और सेक्टर-14 क्षेत्र में रहने वाले हजारों लोगों को फायदा होगा। स्थानीय निवासियों ने भी उम्मीद जताई है कि नई स्ट्रोम वाटर लाइन से वर्षों पुरानी जलभराव की समस्या का समाधान होगा और शहर की जलनिकासी व्यवस्था पहले से कहीं बेहतर हो सकेगी।

भारी बारिश में भी यह सिस्टम प्रभावी ढंग से काम करेगा

एमडीयू गेट नंबर-1 के सामने बने डिस्पोजल को स्ट्रोम वाटर लाइन से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। इस परियोजना पर करीब 2 करोड़ 85 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। नई पाइपलाइन को कन्हैली के सामने स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़ा जाएगा। ताकि जलभराव की समस्या से निजात मिल सके। भारी बारिश की स्थिति में भी यह सिस्टम प्रभावी ढंग से काम करेगा। इससे न केवल जलभराव की समस्या खत्म होगी, बल्कि सड़कें भी लंबे समय तक सुरक्षित रहेंगी।
-**शिवराज सिंह**, अधीक्षण अभियंता, जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग

राष्ट्रीय सेवा योजना का 7 दिवसीय शिविर संपन्न

स्वयं सेवकों को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया

रोहतक। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जसिया में राष्ट्रीय सेवा योजना के 7 दिवसीय शिविर का रविवार को समापन समारोह हुआ। जिला संयोजक मनोज कुमार ने सरस्वती मां के सामने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी स्वयं सेवकों ने सरस्वती मां की वंदना की और एनएसएस का गीत गया। कार्यक्रम का मंच संचालन एनएसएस की विद्यार्थी भूमिका और नैन्सी ने किया। मुख्य अतिथि जिला संयोजक मनोज कुमार और विशेष अतिथि गांव के वरिष्ठ दादाजी करतार सिंह, अंगूरी देवी, जेपी गौड़ और कपिल कौशिक रहे। कार्यक्रम अधिकारी पुष्पा ने सभी अतिथियों का स्कूल प्रांगण में पधारने पर स्वागत किया। 7 दिवसीय शिविर की सभी गतिविधियों से अवगत कराया और स्वयं सेविका कुमारी अंकिता ने शिविर की गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट पढ़ी। जिला संयोजक मनोज कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को एनएसएस का महत्व समझाया।

कला और संस्कृति का अनूठा संगम है फल्गु महोत्सव

लोक परंपराओं को जीवित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है 'फल्गु लोककला महोत्सव'। यह संस्कृति के प्रति एक संकल्प, एक यात्रा और एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत है जो हमारी विरासत को आधुनिकता की दौड़ में संरक्षित करने का प्रयास करता है।

संस्कृति

रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की संस्कृति और परम्पराएं अद्भुत हैं। यहाँ की माटी से उठती सुगंध केवल खेत-खलिहानों तक सीमित नहीं है बल्कि लोकगीतों, नृत्यों, रागनियों और धार्मिक आस्थाओं में भी साँस लेती है। इन्हीं लोक परंपराओं को जीवित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है 'फल्गु लोककला महोत्सव'। जो न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन है, बल्कि यह संस्कृति के प्रति एक संकल्प, एक यात्रा और एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत है जो हमारी विरासत को आधुनिकता की दौड़ में संरक्षित करने का प्रयास करता है।

इस महोत्सव ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के साथ-साथ यह भी सिद्ध कर दिया कि लोककलाएँ आज भी समाज की आत्मा हैं और जब इन्हें उचित मंच मिलता है, तो ये सांस्कृतिक चेतना की नई धाराओं को जन्म देती हैं। ऐसे में यह उत्सव तब और भी प्रासंगिक तथा प्रभावशाली हो जाता है जब इसका आयोजन कुरुक्षेत्र की पावन धरती पर स्थित फल्गु तीर्थ यानि फल्कीवन पर किया जाता है। हरियाणा के कैथल जिले के गाँव फरल में स्थित फल्गु तीर्थ यानि फल्कीवन की बात चली है तो बताते चलें कि वामन पुराण के अनुसार, घने वनों से आच्छादित कुरुक्षेत्र की पावन भूमि पर सात प्रमुख वन थे, जिनमें से एक था फल्कीवन। यह पावन भूमि सरस्वती और दृषद्वती नदियों के जल से पोषित थी। दृषद्वती नदी का प्रवाह मार्ग कौल (कैथल) से होते हुए फल्कीवन तक रहा है, जिसके अवशेष आज भी गाँव फरल के पूर्व में देखे जा सकते हैं। इस भूमि पर महर्षि श्री फल्क ने कठोर साधना की, और उन्हीं के नाम पर यह स्थान 'फल्कीवन' कहलाया। कालांतर में, यही वन फल्गु तीर्थ बना और इसके कारण ही गाँव का नाम 'फरल' पड़ा। यह तीर्थ पितृकर्म के लिए विश्वभर में विख्यात है, जिसका वर्णन महाभारत, वामन पुराण, मत्स्य पुराण और नारद पुराण जैसे ग्रंथों में मिलता है। वामन पुराण के 36वें अध्याय में वर्णित है :

"सोमक्षये च सम्प्राप्ते सोमस्य च दिन तथा।
यः श्राद्ध च मत्यस्तस्य फल पुष्पम्।।49।।
गंगायां च यथा श्राद्ध पितृन्प्रीणति नित्यशः।
तथा श्राद्ध च कर्तव्य फल्कीवनमाश्रितैः।।50।।"

अर्थात सोमवार के दिन अमावस्या के अवसर पर फल्गु तीर्थ पर किया गया श्राद्ध पितरों को गया जी में किए गए श्राद्ध की तरह ही तृप्त और प्रसन्न करता है।

फल्गु तीर्थ केवल धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक धरोहर भी है। यहाँ 17वीं शताब्दी का मुगलकालीन शिव मंदिर, नागर शैली में निर्मित राधा-कृष्ण मंदिर, विशाल सरोवर और एक अत्यंत प्राचीन वटवृक्ष इसकी महत्ता को और भी बढ़ा देते हैं। समीप स्थित पणिश्वर तीर्थ भी है, जिसे महाभारत के अनुशासन पर्व में 'पाणिखात' कहा गया है।

फल्गु तीर्थ पर सांस्कृतिक आयोजनों का इतिहास भले ही शानदार हो, लेकिन इस आयोजनों के बीच आने वाला लंबा अंतराल परंपरा के संरक्षण में बाधक बन रहा था। जिसे दूर करने का बीड़ा फल्गु मंदिर सुधार समिति ने उठाया। समिति के संरक्षक जयगोपाल शर्मा के मार्गदर्शन में, वर्ष 2011 में पहली बार एक दिवसीय भजन संध्या का आयोजन हुआ। यह छोटा-सा प्रयास गाँव की सांस्कृतिक चेतना को जगाने वाला दीपक साबित हुआ। धीरे-धीरे यह परंपरा बढ़ती गई और उत्सव का दायरा एक दिन से बढ़कर सात दिन तक पहुँच गया। हरियाणवी सांग, रागनी, लोकनृत्य, भजन और कवि सम्मेलन जैसे विविध कार्यक्रमों ने इस मंच को बहुआयामी बना दिया। 2016 में जब हरियाणा कला परिषद इस उत्सव से जुड़ी, तो आयोजन को नई ऊर्जा मिली। सरकार के सहयोग और कलाकारों की बढ़ती भागीदारी ने इसे राज्यस्तरीय पहचान दिलाई। वर्ष दर वर्ष इस महोत्सव में कलाकारों की संख्या निरंतर बढ़ती रही। 2016 में जहाँ 35 कलाकारों ने भाग लिया, वहीं 2017 में यह संख्या 180 तक पहुँच गई। 2018 और 2019 में यह परंपरा जारी रही। 2020 में महामारी के कारण उत्सव ऑनलाइन आयोजित हुआ, जिसमें 120 कलाकारों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। 2021 से फिर प्रत्यक्ष आयोजन शुरू हुआ और हरियाणा साहित्य अकादमी भी इससे जुड़ गई। इससे गाँव में कवि सम्मेलन की एक नई परंपरा का जन्म हुआ, जिसने लोककलाओं के साथ-साथ साहित्य को भी इस मंच पर स्थान दिया। यह उत्सव हरियाणा सरकार की विभिन्न परीक्षाओं में भी एक प्रश्न बनकर उभरा है कि 'फल्गु उत्सव कब और कहाँ आयोजित होता है?', जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता और महत्ता को दर्शाता है। वर्ष 2022 में पहले आयोजनों की परंपरा को निभाने के बाद वर्ष 2023 से महोत्सव कला और सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा की वित्तीय सहायता से तीन दिवसीय महोत्सव का आयोजन हो रहा है।

हाल ही में कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा तथा फल्गु मंदिर सुधार समिति के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 14 सितम्बर 2025 तक फल्गु तीर्थ, फरल (कैथल) में तीन दिवसीय फल्गु लोककला महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन हुआ। जिसमें इंद्रप्रस्थ अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली और क्षीरधारा करनाल का विशेष सहयोग रहा। 12 सितम्बर को पहले दिन हरियाणवी लोकनृत्य कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार डॉ. चंद्र त्रिखा (निदेशक, उर्दू प्रकोष्ठ, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी) के सान्निध्य में मुख्य अतिथि सतपाल जाम्बा, विधायक पूंडरी, अध्यक्ष मनजीत सिंह (सदस्य सचिव, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी) तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार रामबीर सिंह 'राम' और समाजसेवी विकास गर्ग ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुकेश द्वारा गणेश वंदना,

सत्यवान व सोनी की 'कुएं की पनिहारी', सीमा वत्स की 'काला-काला कहे गुजरी' तथा बलराज और उनकी टीम की 'जर-जोरू और जमीन' जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को लोक-संवेदना से भर दिया।महोत्सव के दूसरे दिन 13 सितम्बर को लोकगायन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. रामपाल सैनी (कुलपति, चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद), अध्यक्ष पद्मश्री महाबीर गुड्डू और विशिष्ट अतिथि डॉ. ऋषिपाल (प्राचार्य, जनता कॉलेज, कौल) ने किया महाबीर गुड्डू ने भी सुप्रसिद्ध रागनी 'गंगा जी तेरे खेत मैं' प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर किया। 14 सितम्बर को अंतिम दिन हरियाणवी मखौल एवं कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसका शुभारंभ प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री (कार्यकारी उपाध्यक्ष, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी), अध्यक्ष सुभाष गर्ग, विशिष्ट अतिथि कर्म सिंह, डॉ. पवन वर्मा (निदेशक, आकाशवाणी हिसार) और विजय सिंगला ने दीप प्रज्वलित कर किया। कवयित्री अनामिका वालिया, हास्य कलाकार संजीत कौशिक, प्रदीप सिंह, आजाद दुहन, विनीत पांडेय और गीतकार चरणजीत 'चरण' की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को हँसी, व्यंग्य और भक्ति के संगम से सराबोर कर दिया। तीनों दिन फल्गु तीर्थ परिसर लोकसंगीत, नृत्य और काव्य से गूंजता रहा। सभी अतिथियों ने कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा और फल्गु मंदिर सुधार समिति को साधुवाद देते हुए ऐसे आयोजनों को हरियाणवी विरासत के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी तक इसके प्रसार का प्रेरणास्त्रोत बताया।

वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार डॉ. चंद्र त्रिखा इसे "एक सांस्कृतिक चेतना का उत्सव" कहते हैं, जो समाज के लिए एक सुखद अनुभव और उदाहरण प्रस्तुत करता है। जबकि हिंदी मंच संचालन के शिखर पुरुष जैनेन्द्र सिंह की नज़र में 'फल्गु उत्सव' अपनी कला, संस्कृति और परंपराओं को समर्पित एक सकारात्मक और सफल प्रयास है जो समाज के लिए प्रेरणा का कार्य करता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव डॉ. जी.एस. चौहान का मानना है कि यह शिक्षा और सांस्कृतिक चेतना का संगम है, जो युवाओं को भारतीय परंपराओं से जोड़ता है। इसी प्रकार उत्तर मध्य सांस्कृतिक कला केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का सपना देखते हैं और इसे संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों में एक सार्थक योगदान मानते हैं। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव उपेन्द्र सिंहल कहते हैं कि फल्गु उत्सव का आयोजन कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के तीर्थों के प्रचार-प्रसार और रख-रखाव के संकल्प में सहयोगी प्रतीत होता है।

वहीं लंदन में रहने वाले प्रसिद्ध रेडियो कलाकार रवि शर्मा का मानना है कि ऐसे आयोजन मन को आनंदित करते हैं। पद्मश्री महाबीर गुड्डू कहते हैं कि 'फल्गु लोककला महोत्सव' कला और संस्कृति के आनंद का उत्सव है। महोत्सव के संयोजक दिनेश शर्मा 'दिनेश' का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में यह महोत्सव फल्गु मेले के रूप में विकसित हो, जो पितृपक्ष के पूरे सोलह दिनों तक चले और हजारों कलाकारों तथा लाखों श्रद्धालुओं को एक साथ जोड़ दे। उनका मानना है कि यह न केवल संस्कृति के संरक्षण का एक प्रयास है, बल्कि फल्गु तीर्थ को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने का भी एक माध्यम है। फल्गु तीर्थ की पावन भूमि पर आयोजित यह महोत्सव हमें यह संदेश देता है कि संस्कृति केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा है। यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

कविता | सविता गर्ग 'सावी'

विष्णु चरण तै निकली गंगा

विष्णु चरण तै निकली गंगा शंकर जटा समाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

राजा सागर के पुत्रां नै जब
कपिल मुनि का उपहास करया
आंख खोल कै गेड़ी दृष्टि
पल में सब तै भसम करया
जब दुनिया नै बेरा पाटया मचगी सारै दुहाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

स्वर्ग लोक तै चल कै गंगा
मृत्यु लोक मैं आई
सब ऋषियां की कुटिया बह गई
मच गई सारै तबाही
जाहनू ऋषि नै पी कै गंगा मन मैं शांति पाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

हाथ जोड़ कै बोल्या भागीरथ
विनती मेरी स्वीकार करो
मेरे पित्तर सै अधोगति मैं
उन सब का उद्धार करो
सावी गावै झूम झूम कै जय हो गंगा माई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई।

विष्णु चरण तै निकली गंगा शंकर जटा समाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई।

गीत | सुरेश भाणा

नशा करै बुरी दशा

नशा करै बुरी दशा क्रोध का बाप बताया जा
क्रोध के कारण मति भ्रम हो ना बिल्कुल भी समझाया जा

नशे के कारण इस जग में ज्यादा झगड़े होते देखे
बुद्धि से ना काम लेवैं, वैं फेर पाछै तै रोते देखे
लाख बुराई हर तरियां की अपने सिर पै ढोते देखे
भाईचारा रिस्तेदारी और यारी नै भी खोते देखे
काम ईसा कर जाते जो ना फेर पाछै तै सँगवाया जा

नशा करणिया माणस के घर होज्या धन का टोटा
उसका कुणबा भूखा सोवै काम बणै घणा खोटा
टूम ठेकरी बासण बिकज्यां सिर पै हो कर्जा मोटा
सारी दुनिया देवै बुराई छुटज्या मेर मळओटा
चिंता रहती चौबीस घंटे फेर पिया जा ना खाया जा

क्रोध के कारण बैर बढै ये पैदा होज्यां कठिनाई
क्रोध के कारण अक्ल खत्म हो रहै ना गात समाई
क्रोध के कारण कुणबा टूटै और न्यारे होज्यां भाई
क्रोध के कारण बड़े बड़े खपगे ना कोई निशानी पाई
क्रोध करणिया माणस फेर सारे जग में बिसराया जा

काम क्रोध मद लोभ छोड़ कै प्यार निभाणा चाहिए
छोटी मोटी बातां पै ना कदे गुस्सा ठाणा चाहिए
जो लागै बोल सभी नै सुथरा ईसा ए गाणा चाहिए
जन्म लेण नै फेर दोबारा मनै यो पाई भाणा चाहिए
कहै सुरेश गुरु चरणों में यो हरदम शीश झुकाया जा

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

नैतिक मूल्य | **संयुक्त परिवारों के आंगन अब दीवारों में बंट गए, डिजिटल युग में मोबाइल फोन बन रहे अकेलेपन के साथी**

चिंता का विषय है बदलता सामाजिक परिवेश

जीवनशैली | कृष्ण गोपाल सोलंकी

हरियाणा प्रदेश, जिसे कभी अपने दूध-दही के खान-पान, आपसी प्रेम, भाईचारे और अटूट सहयोग के लिए जाना जाता था, आज एक अजीब से संक्रमण काल से गुजर रहा है। जिस धरती की पहचान बड़ों के प्रति अगाध सम्मान और निःस्वार्थ सेवा थी, आज वहां की तस्वीर कुछ धुंधली और अलग हो गई है।

यह विडंबना ही है कि विकास की दौड़ में आगे बढ़ते हुए हम अपने नैतिक मूल्यों को पीछे छोड़ आए हैं। नई पीढ़ी के व्यवहार में बड़ों के प्रति सम्मान, दिखावे की खोखली जिंदगी और बढ़ती नशाखोरी आज हर संवेदनशील व्यक्ति के लिए गहरी चिंता का विषय बन गई है। आज का इंसान अपने वास्तविक स्वधर्म और मानवता को भूलकर काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार के दलदल में बुरी तरह फंस गया है। जिसके कारण समाज में नैतिक मूल्यों का पतन बड़ी तेजी से हो रहा है। भाईचारे की मिसाल कहे जाने वाले हरियाणा में इन दिनों ऐसी-ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिनसे मानवता शर्मसार हो उठती है। सहनशीलता का स्तर इतना गिर गया है कि जरा-जरा सी बात पर खून-खराबा होना आम बात हो गई है। उदाहरण के तौर पर, अक्सर देखने में आता है कि खेत की एक इंच मेंढ या घर के बाहर गाड़ी खड़ी करने जैसी मामूली बात पर वर्षों पुराने पड़ोसी या सगे भाई एक-दूसरे की जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। यह वही समाज है जहाँ कभी पड़ोसी के दुख को अपना दुख समझा जाता था, लेकिन आज क्रोध और अहंकार ने विवेक को हर लिया है। भौतिक सुखों की अंधी दौड़ और खुद को रातों-रात अमीर बनाने की चाहत में माता-पिता अब अनजाने में ही सही, अपने बच्चों को वह समय नहीं दे पा रहे हैं, जो उनके चरित्र निर्माण के लिए अनिवार्य था। इसका परिणाम यह हुआ है कि संयुक्त परिवारों के आंगन अब दीवारों में बंट गए हैं; अलग-अलग चौखटें और अलग-अलग रास्ते हो गए

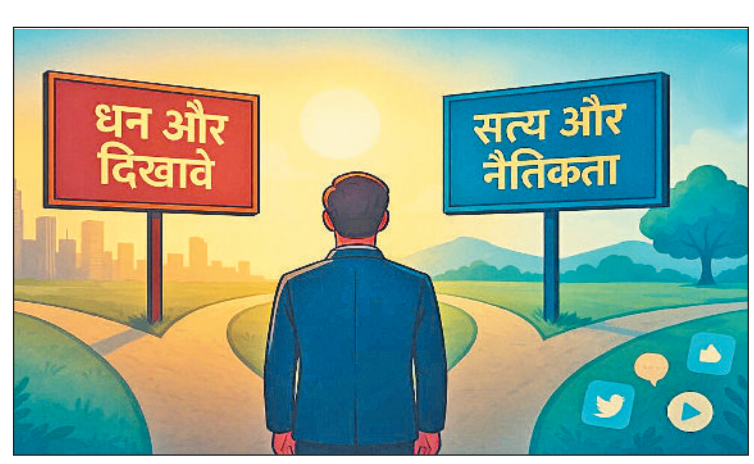

हैं। इस अलगाव का सबसे बड़ा और दुष्प्रभाव बच्चों पर पड़ा है। जिस उम्र में उन्हें घर के बुजुर्गों के सानिध्य में स्नेह, सहयोग, तालमेल और रिश्तों की मिठास सीखनी चाहिए थी, उस कच्ची उम्र में वे मोबाइल की दुनिया में अकेलेपन के साथी बन गए हैं। वे बेढंगी और अर्थहीन 'रील्स' देख रहे हैं और खुद भी वैसा ही बनावटी जीवन जीने का प्रयास कर रहे हैं। इस जलती आग में घी डालने का काम किया है, नए दौर के हरियाणवी गानों ने। साहित्य और संगीत, जो कभी समाज का दर्पण हुआ करते थे, आज पथभ्रष्ट हो चुके हैं। इन गीतों की भाषा शैली न केवल असभ्य है, बल्कि यह लेखकों की परवरिश और उनके संस्कारों पर भी बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाती है। गीतों में जेल, पिस्तौल, बदमाशी, मार-काट और शराब जैसे शब्दों का प्रयोग और महिमामंडन इस प्रकार किया गया है, जिससे प्रभावित होकर युवा वर्ग इसे ही जीवन का 'सच्चा सुख' और 'रुतबा' मान बैठा है। तकनीकी और पैसे के इस दौर ने माता-पिता से जहाँ उनके बच्चे छीन लिए, वहीं माता-पिता भी अपनी व्यस्तताओं के चलते अपने बच्चों से कोसों दूर होते जा रहे हैं। संवादहीनता के इस दौर में सहनशीलता पूरी तरह ख़त्म हो गई है। आज के बच्चे जीवन के छोटे-छोटे संघर्षों और बुरे समय का सामना करने से डरते हैं। उनकी मानसिक स्थिति इतनी नाजुक हो गई है कि परीक्षा में थोड़े कम अंक आ जाएं या कोई मनचाही वस्तु न मिले, तो वे आत्महत्या जैसा कायरतापूर्ण कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण यह है कि उनके पास कोई अपना ऐसा नहीं है जिससे वे मन की बात कर सकें, कोई समझाने वाला नहीं है जो उन्हें बताए कि असफलता जीवन का अंत नहीं है। ऐसे में यह प्रत्येक माता-पिता की नैतिक जिम्मेदारी बन जाती है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों के प्रति सजग रहें। घर से बाहर कदम रखते बच्चों के बारे में माता-पिता को यह पता होना ही चाहिए कि हमारा बच्चा कहाँ है, किसके साथ उठ-बैठ रहा है और वह क्या करता है?

अपने परिवार को आर्थिक और सामाजिक गति देना आवश्यक है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है कि हम पहले एक स्वस्थ और संस्कारवान माहौल तैयार करें और उसकी शुरुआत अपने घर से करें। महँगे संसाधनों से ज्यादा बच्चों को हमारे 'समय' और 'साथ' की जरूरत है। हम अपने बच्चों को आधुनिक शिक्षा जरूर दें, लेकिन उसके साथ सुसंस्कारों की नींव भी रखें। जब तक शिक्षा और संस्कार का मेल नहीं होगा, तब तक हम एक सुखी और सुरक्षित समाज की कल्पना नहीं कर सकते। अंततः, हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा ताकि हरियाणा का वह खोया हुआ सौहार्द और प्रेम पुनः लौट सके।

हरियाणा की माटी से निखरी कला-साधिका ममता शर्मा

कलाकार | दिनेश शर्मा 'दिनेश'

अंधेरी रात जब बीते उजाला लौट आता है,
अमावस का अंधेरा भी कभी ना रोक पाता है।
करे कोशिश अगर कोई, सफलता मिल ही जाती है;
इरादे हों अटल जिसके, जमाना सिर झुकाता है।

कुछ ऐसी ही होती है जीवन में संघर्षों से होकर सफलता तक पहुँचने की कहानी। यदि हौसलों में उड़ान हो तो अभाव केवल पड़ाव बनकर रह जाते हैं। हरियाणा की लोक संस्कृति के फलक पर शोभित लोक कलाकार ममता शर्मा ने यह सिद्ध करके दिखाया है। एक श्रमिक परिवार की बेटी से लेकर आज अनगिनत मंचों की शान बनने तक का उनका सफर न केवल प्रेरणादायी है, बल्कि महिला सशक्तिकरण का एक जीवंत उदाहरण भी है।रोहतक जिले के गाँव मुरादपुर टेकना में एक अत्यंत साधारण और कृषक परिवार में जन्मी ममता का बचपन आर्थिक तंगी में गुज़रा।

माता-पिता दिहाड़ी मजदूरी कर घर का खर्च चलाते थे। वे भले ही अक्षरज्ञान से दूर थे, किंतु अपनी संतानों को संस्कार और स्वाभिमान का पाठ पढ़ाना भली-भांति जानते थे। ममता बताती हैं, "दरिद्रता हमारे घर की चौखट पर अवश्य थी, किंतु मेरे माता-पिता ने हमारे आत्मबल को कभी विपन्न नहीं होने दिया।" ममता ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा (आठवीं तक) गाँव के ही सरकारी विद्यालय से तथा दसवीं की परीक्षा मोखरा गाँव से

उत्तीर्ण की। बाल्यकाल से ही उनके मन में हरियाणवी संस्कृति, मटका दौड़, नाटक और पारंपरिक वेशभूषा के प्रति गहरा अनुराग था। विद्यालय के सांस्कृतिक आयोजनों में वह अपनी कला का लोहा मनवाती रहीं। किंतु नियति को कुछ और ही स्वीकार था।घर की विषम परिस्थितियों के चलते, महज 15 वर्ष की अल्पायु में ही उन्हें गृहस्थी के बंधन में बाँध दिया गया। उनका विवाह हिसार के निकट स्थित गाँव बांस में हुआ। एक हँसती-खेलती किशोरी ने सिर पर घूँघट और घर-गृहस्थी की बड़ी जिम्मेदारियों के बीच अपने कलाकार मन को एक लंबी चुप्पी में कैद कर लिया। ममता अतीत के पन्ने पलटते हुए कहती हैं, "विवाह के उपरांत नए दायित्व थे, संतान सुख था और भरा-पूरा परिवार था। मैंने सब कुछ संभाल लिया, किंतु हृदय के किसी कोने में एक कसक बाकी थी कि मेरा सपना अधूरा है। मुझे अपनी लोक-परंपरा के संरक्षण के लिए कुछ करना है।"

बदलते समय के साथ ममता के सपनों को नया जीवन मिला। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति, ठेठ बोली और सादगी से भरे वीडियो साझा करने शुरू किए। उनकी सहजता और लोककला ने जनमानस को प्रभावित किया और वह अत्यंत लोकप्रिय हो गईं।उनका मानना है कि उनकी सफलता के पीछे सबसे बड़ा हाथ उनके पति सुरेश शर्मा का है। हरियाणा के ग्रामीण परिवेश में जहाँ प्रायः वधुओं की प्रतिभा चूल्हे-चौके तक सिमट जाती है, वहीं ममता के पति ने एक नई मिसाल पेश की। उन्होंने न केवल ममता की कला का साथ दिया, बल्कि उनकी अधूरी शिक्षा को भी पुनः आरंभ कराया। एक वर्ष पूर्व उन्होंने ममता का बारहवीं कक्षा में नामांकन करवाया। ममता का कहना है, "सीखने की कोई समय-सीमा नहीं होती। आज मैं अध्ययन भी कर रही हूँ, गृहस्थी भी संभाल रही हूँ और मंच पर भी सक्रिय हूँ। मेरा उद्देश्य उन महिलाओं में चेतना जगाना है जो विवाह के उपरांत अपने स्वप्नों को तिलांजलि दे देती हैं।"इसी संदर्भ में वह भावुक होकर कहती हैं, "आज यदि मैं समाज के समक्ष चमक रही हूँ, तो इसमें मेरी मेहनत से अधिक मेरे पति का त्याग है। वे मुझे प्रत्येक कार्यक्रम में स्वयं छोड़कर जाते हैं और ससम्मान वापस लाते हैं। ससुराल में आकर यदि उनका साथ न मिलता, तो मैं कभी भी घर की देहली नहीं लांघ पाती।

गुरु का सान्निध्य और शिक्षा की नई अलख

ममता की प्रतिभा को वास्तविक विस्तार पद्मश्री महावीर गुड्डू के सान्निध्य से मिला, जिन्होंने उनकी कला को तराशा और उन्हें प्रदेश ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई। वह 'इंडियाज गॉट टैलेंट' जैसे बड़े मंच पर भी हरियाणवी संस्कृति का परचम लहरा चुकी हैं। अब वह विदेशों में भी हरियाणवी संस्कृति का ध्वज फहराने की तैयारी कर रही हैं। ममता शर्मा का लक्ष्य केवल प्रशंसा बटोरना नहीं है। उनकी आँखों में एक बड़ा सपना तैर रहा है। वह दृढ़ता से कहती हैं, "मेरी आत्मा को शांति तब मिलेगी जब हरियाणवी लोक कला, हमारा परिधान और हमारे संस्कार हिंदी सिनेमा से लेकर विदेशी मंचों तक अपनी विशिष्ट पहचान बनाएंगे। यह मेरा स्वप्न मात्र नहीं, अपितु संकल्प है।"

खबर संक्षेप

दो दिवसीय आर्य प्रशिक्षण सत्र का समापन

रोहतक। आर्य समाज शिवाजी कॉलोनी रोहतक में आर्य महासंघ के तत्वावधान में राष्ट्रीय आर्य निर्मात्री सभा द्वारा आयोजित दो दिवसीय आर्य प्रशिक्षण सत्र का रविवार सायं यज्ञोपवीत संस्कार के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम में हिसार से पधारे श्रद्धेय आचार्य दयानंद ने दोनों दिनों तक सत्रार्थियों को वेद विद्या का ज्ञान प्रदान किया। आचार्य दयानंद ने ईश्वर के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ईश्वर एक, निराकार, सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापक है तथा वही उपासना के योग्य है। उन्होंने सुबह काल नए सत्रार्थियों को अष्टांग योग के माध्यम से उपासना की विधि विस्तार से समझाई। आचार्य ने स्पष्ट किया कि ईश्वर को जानने का मार्ग केवल अष्टांग योग है और भूत-प्रेत जैसी मान्यताएं काल्पनिक हैं।

हुड्डा के दिन लद गए बीजेपी करेगी विकास

सांपला। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि अब पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के दिन लद चुके हैं। उन्हें भूल जाओ। बीजेपी सरकारी हर वर्ग के लिए सम्मान विकास कर रही है। वे रविवार की देर शाम सांपला एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने कहा की बीजेपी सरकार आज किसान गरीब मजदूर, व्यापारी हर वर्ग के लिए काम कर रही है। प्रदेश की जनता कांग्रेस पार्टी की दोगली नीति को समझ चुकी है इसलिए उन्हें भाजपा पर विश्वास है। गढ़ी सांपला किलोई हल्के के लोगों को भी समझ लेना चाहिए , हुड्डा को भूल जाएं। इसी की वजह से हल्का पिछड़ रहा है।

मोबाइल मैमोग्राफी से घर-द्वार पर नि:शुल्क जांच

स्वास्थ्य वाहिनी बना जन आंदोलन, महिलाओं तक स्तन कैंसर जांच पहुंचाने की अभिनव पहल

▶▶ *यह स्वास्थ्य मॉडल हरियाणा को नई दिशा देगा, महिलाएं होंगी स्वस्थ*

▶▶ *ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत जांच और चिकित्सा सेवाएं द्वार तक पहुंचेंगी*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

स्वास्थ्य वाहिनी केवल एक स्वास्थ्य जांच शिविर नहीं, बल्कि स्वास्थ्य समानता का एक जन आंदोलन है। गांव तक उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाकर हम शीघ्र पहचान, सम्मान और समय पर उपचार सुनिश्चित कर रहे हैं, ताकि रोहतक की कोई भी महिला कैंसर से अकेले संघर्ष न करे। यह पहल उपचार केंद्रित दृष्टिकोण से हटकर निवारक एवं सक्रिय स्वास्थ्य व्यवस्था की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है और हरियाणा के अन्य जिलों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत करती है।

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और बीमारियों की शीघ्र पहचान सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला प्रशासन ने स्वास्थ्य वाहिनी की शुरुआत की है। यह मिशन मोड पर आधारित एक सार्वभौमिक स्वास्थ्य पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों में उन्नत जांच एवं चिकित्सा सेवाएं सीधे नागरिकों के द्वार तक पहुंचाना है। इस पहल का मुख्य फोकस स्तन कैंसर की प्रारंभिक पहचान पर है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी, महंगी जांच तथा विशेषज्ञ सुविधाओं की सीमित उपलब्धता के कारण अक्सर देर से सामने आता है। मोबाइल मैमोग्राफी वैन और सुव्यवस्थित स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से स्वास्थ्य वाहिनी महिलाओं को निशुल्क, जीवन रक्षक जांच सेवाएं उनके घर के पास ही उपलब्ध करवा रही है।

रोहतक। स्वास्थ्य जांच शिविर का निरीक्षण करते उपायुक्त सचिन गुप्ता।

मिशन एवं प्रमुख विशेषताएं

35 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए 100 प्रतिशत मैमोग्राफी स्क्रीनिंग की सुविधा है। कैंप मोड सैचुरेशन रणनीति, जिसके तहत प्रत्येक गांव एवं शहरी वार्ड में 1 से 3 दिन तक शिविर आयोजित कर 6-चरणीय कैंसर शील्ड प्रोटोकॉल, जिसमें शारीरिक जांच से लेकर रेफरल और उपचार तक निरंतर मार्गदर्शन शामिल है। एनीमिया नियंत्रण, मुख स्वास्थ्य जांच, एनसीडी प्रबंधन तथा आभा आईडी जनरेशन सहित डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का एकीकरण किया जा रहा है।

प्रभावशाली पायलट परिणाम

खंड सांपला तथा गीता जयंती महोत्सव (नवंबर-दिसंबर 2025) के दौरान किए गए पायलट चरण में 8,086 नागरिकों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया, जिसमें 1,082 महिलाओं की स्तन कैंसर स्क्रीनिंग की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में 469 हाई-टेक मैमोग्राफी जांच की गई, जिनमें से 106 गंभीर एनीमिया मामलों की पहचान कर त्वरित उपचार सुनिश्चित किया गया। एक ही दिन में 300 से अधिक मरीजों की रिकॉर्ड उपस्थिति दर्ज हुई, जो समुदाय के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। इस पहल के माध्यम से स्वास्थ्य हॉटस्पॉट की पहचान भी संभव हुई, जिससे लक्षित पोषण एवं जनस्वास्थ्य हस्तक्षेपों की बेहतर योजना बनाई जा सकेगी।

सशक्त समन्वय मॉडल

स्वास्थ्य वाहिनी एक मजबूत सार्वजनिक-निजी-सीएसआर साझेदारी पर आधारित है, जिसमें सीएसआर साझेदार मोबाइल डायग्नोस्टिक ढांचे के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान करते हैं। निजी डायग्नोस्टिक संस्थान तकनीकी विशेषज्ञता उपलब्ध कराते हैं। सरकारी स्वास्थ्य कर्मचारी जमीनी स्तर पर सेवाओं का क्रियान्वयन एवं फॉलो-अप सुनिश्चित करते हैं। जिला प्रशासन योजना, समन्वय एवं निगरानी की नेतृत्वकारी भूमिका निभाता है।

भविष्य की कार्ययोजना

पायलट की सफलता के बाद जिला प्रशासन ने स्वास्थ्य वाहिनी को कलानौर, लाखनमाजरा और महम सहित रोहतक के सभी खंडों में विस्तार देने की योजना बनाई है। इस पहल को एक स्थायी वार्षिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के रूप में संस्थागत किया जाएगा, जिससे निवारक स्वास्थ्य सेवाओं का एक मजबूत और सतत सुरक्षा कवच तैयार हो सके।

जंप रोप में एमएस सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

माता दरवाजा गोकर्ण रोड स्थित एमएस सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल के लिए गर्व का क्षण रहा। विद्यालय के विद्यार्थियों ने जींद में आयोजित की गई 17वीं हरियाणा राज्य जंप रोप प्रतियोगिता में सराहनीय प्रदर्शन किया।

प्रतिभाशाली प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का नाम रोशन किया। इन सभी विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ।

विद्यालय के निर्देशक हिमांक मित्तल व प्रधानाचार्या रितु ने सभी विजेताओं को उनकी मेहनत एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई दी। टीम कोच अश्विनी पांचाल और अनुराधिका के उचित मार्गदर्शन व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

ग्रुप इवेंटः सिंगल बाउंस (व्यक्तिगत इवेंट)

स्वर्ण पदक विजेता
- ▶▶ निर्मल – कक्षा 9
- ▶▶ दिव्यांशु – कक्षा 5
- ▶▶ साहेज – कक्षा 5
- ▶▶ युवान – कक्षा 3

स्पीड 30 सेकंड इवेंटः
स्वर्ण पदक विजेता
- ▶▶ पावनी – कक्षा 5

रजत पदक विजेता
- ▶▶ आयुष – कक्षा 7

डबल बाउंस इवेंटः
स्वर्ण पदक विजेता
- ▶▶ दक्षेश – कक्षा 9

सिंगल बाउंस (व्यक्तिगत इवेंट)

स्वर्ण पदक विजेता
- ▶▶ दीपिका – कक्षा 8
- ▶▶ रजत पदक
- ▶▶ कबीर – कक्षा 4
- ▶▶ दीक्षा – कक्षा 5

कांस्य पदक
- ▶▶ नैना – कक्षा 5
- ▶▶ वंश – कक्षा 9

पीटीएम में टीएलएम प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

बहुअकबरपुर स्थित एचडी पब्लिक स्कूल में अभिभावक–शिक्षक बैठक (पीटीएम) के अवसर पर प्राइमरी विंग में शिक्षण–अधिगम सामग्री (टीएलएम) प्रदर्शनी का सफल आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी शैक्षणिक गतिविधियों, रचनात्मक कार्यों तथा खेल-खेल में सीखने की पद्धति को पूरे आत्मविश्वास के साथ अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत किया।

प्रदर्शनी के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों की टीम ने न केवल छोटे बच्चों बल्कि अभिभावकों एवं वरिष्ठ नागरिकों को भी टीएलएम की उपयोगिता तथा सरल एवं प्रभावी शिक्षण विधियों की जानकारी दी। इससे यह स्पष्ट हुआ कि टीएलएम बच्चों की समझ, रुचि, सहभागिता एवं आत्मविश्वास के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा समय-समय पर आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रमों को बच्चों को समझने एवं उनका सही मार्गदर्शन करने में अत्यंत उपयोगी बताया तथा विद्यालय प्रबंधन के प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

पीटीएम के दौरान पीए-2 परीक्षा परिणाम, विद्यार्थियों की उपस्थिति, अनुशासन, डिजिटल व्यवहार तथा आवश्यकता-आधारित रीमेडियल कक्षाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अभिभावकों को बच्चों की नियमित उपस्थिति, समयपालन तथा स्वस्थ नाश्ता एवं पौष्टिक भोजन के महत्व के प्रति भी जागरूक किया गया। विद्यालय के निदेशक सुरेंद्र सिंह फोगाट एवं अकादमिक निदेशक कृष्णा बलहारा फोगाट ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को रटंत शिक्षा से हटाकर रचनात्मक, गतिविधि-आधारित एवं समझ विकसित करने वाली शिक्षा प्रदान करना है।

जो सरकार किसान हित में योजना बनाएगी, उसका समर्थन करेंगे

सांपला। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष वेदपाल हुड्डा ने कहा कि जो सरकार किसान के हक में योजना बनाएगी, यूनियन उसका समर्थन करेगी। किसान विरोधी फैसला लेने वाली सरकार का विरोध भी किया जाएगा। रविवार को अध्यक्ष ने यह बात यूनियन की बैठक में कही। उन्होंने कई किसानों को नियुक्ति पत्र भी दिए। अध्यक्ष ने कहा कि सैनी सरकार ने कई फैसले किसान हक में लिए लेकिन अभी भी किसानों के सामने कई समस्याएं हैं। इस संबंध में यूनियन कृषि मंत्री से मिलेगी। इस मौके पर बिजेंदर अहलावत, अशोक बल्हारा, दलबीर कुंडू, दलबीर हुड्डा, दयानंद, रामधारी, जसमेर, नाहना, अनिल आदि उपस्थित थे।

विदेशी घुसपैठियों से लोकतंत्र को खतरा, मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी : डॉ. अशोक कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

■ भारत के संविधान में मतदाता बनने के लिए स्पष्ट शर्तें निर्धारित हैं

देश और प्रदेश की सरकारों का चुनाव विदेशी घुसपैठिए करेंगे तो भारत का लोकतंत्र सुरक्षित नहीं रह सकता। लोकतंत्र की शुचिता बनाए रखने के लिए मतदाता सूची का शुद्धिकरण अत्यंत आवश्यक है और इसी उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया चलाई जा रही है।

भाजपा नेता एवं जिला सभी प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अशोक रंगा ने कहा कि भारत के संविधान में मतदाता बनने के लिए स्पष्ट शर्तें निर्धारित हैं, जिनमें आयु और भारतीय नागरिकता अनिवार्य है। जो व्यक्ति इन शर्तों को पूरा नहीं करता, वह मतदाता नहीं हो सकता। ऐसे में विदेशी घुसपैठियों को मतदाता सूची से हटाने और उन्हें उनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया से विपक्षी दल घबराए हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष संसद से लेकर सड़कों तक इसका विरोध कर विदेशी घुसपैठियों को मतदाता बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कोई नया कदम नहीं है। यह प्रक्रिया पहले भी 11 बार हो चुकी है, लेकिन उस समय किसी भी राजनीतिक दल ने इसका विरोध नहीं किया।

डॉ. रंगा ने कहा कि "वर्ष 2010 में रिटर्निंग ऑफिसर से मतदाता सूची से नाम हटाने का अधिकार सीमित हो जाने के कारण बड़ी संख्या में दोहरी प्रविष्टियां बनी रहीं, वहीं मृत्यु को प्राप्त मतदाताओं के नाम भी सूची से नहीं हट पाए, जिससे मतदाता सूची की शुद्धता प्रभावित हुई।" यही कारण है कि प्रदूषित मतदाता सूची के शुद्धिकरण के लिए एसआईआर अनिवार्य हो गया।

भक्ति धारा गो सेवा ट्रस्ट का साप्ताहिक श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

भक्ति धारा गौ सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित साप्ताहिक श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ का समापन पूजन, हवन और भंडारे के साथ श्रद्धा एवं विधिविधान से संपन्न हुआ। रविवार सुबह 10 बजे हवन का शुभारंभ याज्ञिक आचार्य धर्मवीर प्रसाद वेदपाठी के सानिध्य में किया गया। इस अवसर पर डॉ. आशीष गोयल प्रबंध निदेशक ऑक्सीजन अस्पताल, डॉ. पवन शर्मा प्रबंध निदेशक एपेक्स अस्पताल, रेणु डाबला प्रदेश सचिव भाजपा, रणबीर ढाका जिला अध्यक्ष भाजपा, अशोक खुराना, अजय खुंडिया, पार्षद प्रवीण कौशिक सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने गणेश-गौरी पूजन व अर्चन कर हवन में आहुतियां अर्पित कीं।

रोहतक। हवन में आहुति डालते आचार्य धर्मवीर प्रसाद वेदपाठी व अन्य भक्तजन।

वेद मंत्रों संग भव्य यज्ञ आयोजन

हवन की विधि आचार्य देव कृष्ण शौनक और आचार्य विनोद कृष्ण द्वारा वेद मंत्रों के साथ संपन्न करवाई गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दंपती सहित हवन में भाग लिया। पूर्णाहुति और आरती के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। आचार्य धर्मवीर प्रसाद वेदपाठी ने यज्ञ की महिमा बताते हुए कहा कि यज्ञ केवल अग्निहोत्र नहीं, बल्कि परमार्थ और विश्व कल्याण का प्रतीक है। यज्ञ का उद्देश्य आत्मिक उन्नति के साथ समाज और प्रकृति का कल्याण करना है। उन्होंने अग्नि को ऊर्जा, शक्ति और प्रकाश का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के दौरान आचार्य विनोद कृष्ण शास्त्री ने महिला मंडल और कलश स्थापना करने वाली महिलाओं को सम्मान स्वरूप उपहार भेंट किए। आयोजन में ट्रस्ट के पदाधिकारियों, संरक्षकों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही, जिससे धार्मिक वातावरण भक्तिमय बना रहा।

पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, कार्तिकेय शर्मा समेत अनेक लोगों ने स्व. दीपचंद को दी श्रद्धांजलि

रोहतक। गांव जेठपुर (तैमूरपुर) गांव के सबसे बुजुर्ग दीपचंद भट्ठी का 94 साल की उम्र में निधन होने पर राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक क्षेत्र के लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा समेत अनेक समाज के अग्रणी व्यक्तियों ने स्वर्गीय दीपचंद भट्ठी को गांव ही नहीं, पूरे क्षेत्र के लिए सामाजिक क्षति बताया। उनका जाना एक स्तम्भ का गिर जाने के बराबर है। गांव के हर घर, हर परिवार से सौहार्द और प्रेम का रिश्ते रखने वाले स्वर्गीय दीपचंद भट्ठी के नाम पर परिवार की ओर से गांव में काज (भंडारा) किया गया, जिसमें रिश्तेदारों के अलावा आसपास के ग्रामीणों व अन्य लोगों ने शिरकत की। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के अलावा राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीन अत्री, राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड वाणिज्य मंत्रालय के सदस्य अजय बनारसीदास गुप्ता, हरियाणा स्टेट कॉपरेटिव एग्री एंड रूरल डेवेलपमेंट बैंक लिमिटेड के चेयरमैन अमर पाल राणा आदि लोगों ने स्वर्गीय दीपचंद भट्ठी को श्रद्धांजलि दी।

■ जेठपुर गांव के सबसे बुजुर्ग दीपचंद भट्ठी का दो दिसंबर 2025 को हुआ निधन

स्वर्णकार समाज के युवाओं को मिला आधुनिक प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

स्वर्णकार समाज के युवाओं, कारीगरों और उद्यमिता में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों को आधुनिक प्रशिक्षण दिया गया। यह जानकारी रविवार को एक होटल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष जोगिंद्र वर्मा ने पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को समय की मांग के अनुरूप नई तकनीकों से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। प्रदेश अध्यक्ष जोगिंद्र वर्मा ने सरकार के समक्ष समाज की तीन प्रमुख मांगें भी रखीं। उन्होंने कहा कि स्वर्ण कला बोर्ड का गठन किया जाए, अजमीड धाम के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया जाए तथा आईएमटी रोहतक में अजमीड रजत ज्वैलरी पार्क स्थापित किया जाए। उन्होंने बताया कि इन मांगों के पूरा होने से सोने-चांदी का व्यापार एक ही स्थान पर केंद्रित होगा, जिससे कारीगरों और उद्यमियों को सीधा लाभ मिलेगा।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते प्रदेश अध्यक्ष जोगिंद्र वर्मा।

हुनर से रोजगार तक कार्यशाला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत 'हुनर से रोजगार तक' विषय पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया और आभूषण निर्माण, डिजाइनिंग व व्यवसाय से जुड़े विभिन्न हुनर सीखे। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने स्वदेशी अपनाने और स्वदेशी उत्पादों के निर्माण का संकल्प भी लिया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण शिविर युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान करने के साथ-साथ समाज की पारंपरिक कला को आधुनिक स्वरूप देने में सहायक सिद्ध होंगे। इस मौके पर जयपाल लांबा, राजकुमार लांबा, सुरेंद्र वर्मा देव राला, लखीराम, सुरेंद्र पाल, रवि वर्मा, विश्मबर वर्मा, रिषी, वर्मा, रोहित सोनी, संजय वर्मा, आनद मातनहेल, कैलाश वर्मा आदि मौजूद रहे।

विद्यालय की छात्र परिषद के सदस्यों द्वारा मशाल जलाई गई

द आर्यन ग्लोबल विद्यालय में खेल महोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

द आर्यन ग्लोबल विद्यालय में खेल महोत्सव 'आर्यन एंथुजिया' बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में कर्नल जसवंत सिंह ने मुख्य अतिथि तथा अंजू ने विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढाई। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना व मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, प्रबंधक सुनीता अहलावत व प्रधानाचार्य आर के खन्ना द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन व आभार व्यक्त किया। सभी विद्यार्थियों व अध्यापकों ने अपने विद्यालय की आन बान शान बनाये रखने की शपथ ली। विद्यालय के छात्र परिषद के सदस्यों द्वारा मशाल जलाई गई और एनसीसी कैडेट की अगुवाई में मार्च पास्ट द्वारा मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को सलामी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महानुभावों के सम्मान में स्वागत नृत्य की प्रस्तुति द्वारा बच्चों ने समां बांध दिया। प्रधानाचार्य आरके खन्ना ने मुख्य अतिथि व अभिभावकों का कार्यक्रम में पधारने के लिए आभार व्यक्त किया तथा विद्यालय की उपलब्धियों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

खिलाड़ियों का उत्साह शीर्ष पर दिखाई दिया

कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक के खिलाड़ी छात्रों ने हर्डल दौड़, सौ मीटर, 400 मीटर रिले दौड़, रस्सा कस्सी, योग आदि अंतः गृह खेल प्रतियोगिताओं में अपना लोहा मनवाया। खिलाड़ियों का उत्साह शीर्ष पर दिखाई दिया । कार्यक्रम में मनोरंजन करते हुए राजस्थानी व पंजाबी नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यार्थियों को उनके विभिन्न क्षेत्रों में उच्च स्थान प्राप्त करने के लिए मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। आर्यन ग्लोबल विद्यालय की कक्षा 12वीं की होनहार छात्रा रिया अहलावत को सीबीएसई हरियाणा में अधिकतम अंक प्राप्त करने के लिए एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए की राशि से सम्मानित किया गया।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करेंः विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- Nursing Staff 4
- ICU Staff 6
- PRO/Marketing Executive 6
- Ward Boy 2
- Computer Operator (Male) 2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

श्री गणेशाय नमः
श्री बालाजी ज्योतिष केन्द्र
म.नं. 232, सेक्टर -14, हिसार मो. 85710-24131 87086-55938
प्यार मोहब्बत किया/कराया, जादू-टोना गुप्त दुश्मन, सौतन, नजर दोष, विदेश यात्रा, सास बहू/पति पत्नी में अनबन, पशुधन बर्बाद होना, कारोबार में बरकत ना होना, धन की बर्बादी, पढ़ाई में मन न लगना, विवाह में देरी, नौकरी में प्रमोशन
समस्या कैसी भी हो,
जड़ से होगी खत्म जब कभी भी ना बना हो काम तो होगा गारन्टीड समाधान

पं. तुषार शर्मा
(गोल्ड मेडलिस्ट)
हर रोज मिलें सुबह 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक

किसानों में बढ़ रही ब्लड शुगर की मात्रा : डॉ. कृष्ण

गेहूं के आटे में चना, बाजरा, ज्वार और जौ का आटा मिलाकर खाने की दी सलाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

अनियमित दिनचर्या और खराब खान पान की वजह से शुगर रोगियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। कम शारीरिक गतिविधि, मोटापा और तनाव की वजह से भी कम उम्र के लोग भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। अब तो हालात यह हो गए हैं कि खेतों में परिश्रम करने वाले किसानों में भी ब्लड शुगर की मात्रा बढ़ रही है। इसकी वजह दिमाग पर ज्यादा स्ट्रेस मानी जा रही है।

तनाव भी ब्लड शुगर लेवल प्रभावित करता

डॉक्टर कृष्ण कुमार लांबा।

तनाव भी ब्लड शुगर लेवल प्रभावित करता है और मधुमेह का कारण बन सकता है। शिवानंद धर्मार्थ औषधालय खेड़ी महम के डॉक्टर कृष्ण कुमार लांबा ने तो मरीजों को जागरूक करने के लिए शुगर रोग संबंधी हिदायतें अस्पताल की दीवारों पर लिखवा दी हैं। डॉक्टर लांबा का कहना है कि एक शोध में यह बात सामने आई है कि खेतों में काम करने वाले किसानों में भी शुगर की मात्रा बढ़ रही है। उनके पास भी कई मेहनतश किसान आते हैं, जो शुगर रोग से पीड़ित होते हैं। लांबा का कहनना है कि अकेले गेहूं के आटे का प्रयोग कम से कम करना चाहिए। उसमें चना, बाजरा, ज्वार और जौ मिलाकर खाना चाहिए।

बच्चों को ये खाने को न दें

डॉक्टर लांबा ने अस्पताल में एक सामान्य जागरूकता नोटिस भी चस्पा किया हुआ है। जिसमें लिखा गया है कि माता पिता व अभिभाव अपने बच्चों को मैगी, चिप्स, कुरकुरे, कोल्ड ड्रिंक, फास्ट फूड और पैकेट वाली चीजों का सेवन न करने दें। इनसे बच्चों की सेहत खराब होती है। बच्चों को मोबाइल फोन न दें, इससे बच्चों की आंखें खराब हो रही हैं। युवा व बड़े व्यक्ति शराब, बीड़ी, हुक्का आदि नशों से परहेज करें।

खास बातें

- अनियमित दिनचर्या बन रही शुगर के मामलों की वजह
- युवा व बड़े शराब, बीड़ी और हुक्का से दूर रहें
- गेहूं के आटे की बजाय मिलीजुली आटे का सेवन करें

हेल्थ-कम-इनफर्टिलिटी कैंप आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय पशु चिकित्सालय सांघी में हेल्थ-कम-इनफर्टिलिटी कैंप का सफल आयोजन किया गया। यह कैंप उपायुक्त सचिन गुप्ता, उप निदेशक पशुपालन एवं डेयरी विभाग रोहतक डॉ. सूर्या खटकड़ तथा एसडीओ पशुपालन सांपला डॉ. नरेंद्र दहिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कैंप का उद्देश्य क्षेत्र में पशुओं के स्वास्थ्य की जांच कर उनकी उत्पादकता बढ़ाना और पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन से संबंधित जानकारी देना रहा। कैंप का संचालन डॉ. राजेश धनखड़, डॉ. अंजू रोहिल्ला, डॉ. वैभव भारद्वाज, विक्रम (वीएलडीए), मुकेश (वीएलडीए) सहित अन्य सहयोगी स्टाफ की टीम द्वारा किया गया। इस दौरान कुल 121 पशुओं की जांच और उपचार किया गया। साथ ही खून, दूध और गोबर के नमूने एकत्र कर आगे की प्रयोगशाला जांच के लिए डीडी लैब रोहतक भेजे गए।

विभिन्न योजनाओं की दी जानकारी

कैंप में पशुपालकों को पशु क्रेडिट कार्ड योजना, पशु बीमा, मुर्राह नस्ल संवर्धन, संतुलित पोषण प्रबंधन, टीकाकरण, डीवार्मिंग, हीट डिटेक्शन, वैज्ञानिक प्रजनन तकनीक तथा भेड़-बकरी प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। डॉ. राजेश धनखड़ ने बताया कि प्रदेश सरकार की डेयरी योजना के तहत 4 से 10 दुधारू पशुओं की डेयरी पर 25 प्रतिशत सब्सिडी तथा 20 पशुओं की डेयरी खोलने पर ब्याज में छूट का प्रावधान है।

खबर संक्षेप

काव्य गोष्ठी का किया आयोजन

रोहतक। विश्व हिन्दू परिषद के विशेष सम्पर्क आयाम द्वारा भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन जिला संगठन मंत्री कवि कमल शास्त्री ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महामण्डलेश्वर स्वामी अनुभूतानंद एवं महामण्डलेश्वर स्वामी विद्या स्वरुप महाराज द्वारा दीप प्रज्वलन कराकर आशीर्वाद के साथ किया गया। गीतकार पं. वीरेंद्र मधुर के शानदार संचालन में कवियत्री कंचन माखीजा ने सरस्वती वंदना से काव्यपाठ आरंभ किया।

बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम किए प्रस्तुत

रोहतक। शहर के एक निजी स्कूल में दूसरे वार्षिक उत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ किया गया। इस अवसर पर स्कूल परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों, फूलों और आकर्षक सजावट से सजाया गया, जिससे वातावरण पूरी तरह उत्सवमय नजर आया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ सुप्रसिद्ध गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. प्रवीण मल्होत्रा, एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन और समाजसेवी हिमांशु ग्रोवर द्वारा किया गया।

शारीरिक दक्षता परीक्षण और प्रारंभिक जांच के उपरांत 280 अभ्यर्थी सफल

अग्निवीर : कड़ाके की ठंड में भी युवाओं में देशभक्ति का उत्साह

युवाओं ने कहा अग्निवीर योजना उनके लिए देश सेवा का एक सुनहरा अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आर्मी रिक्रूटिंग ऑफिस (एआरओ) की ओर से अग्निवीर योजना के तहत विभिन्न श्रेणियों में भर्ती के लिए आयोजित रैली राजीव गांधी खेल परिसर, रोहतक में पूरे जोश और उत्साह के साथ जारी है। यह भर्ती रैली अंबाला जोन के अंतर्गत 10 दिसंबर 2025 से 15 दिसंबर 2025 तक आयोजित की जा रही है, जिसमें झज्जर, सोनीपत, पानीपत, रोहतक सहित अंबाला जोन के पंजीकृत अभ्यर्थी भाग ले रहे हैं। भर्ती रैली को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। कड़ाके की ठंड के बावजूद अभ्यर्थी तड़के सुबह ही भर्ती स्थल पर पहुंच रहे हैं और पूरी तैयारी के साथ चयन प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं। युवाओं का कहना है कि अग्निवीर योजना उनके लिए देश सेवा का एक सुनहरा अवसर है, जिसे वे किसी भी कीमत पर गंवाना नहीं चाहते। भर्ती रैली के अंतर्गत अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर क्लर्क (एसकेटी), अग्निवीर टेक्नीशियन, ट्रेड्समैन और सोल टेक जैसी विभिन्न श्रेणियों के लिए चयन प्रक्रिया चलाई जा रही है। भर्ती स्थल पर सेना प्रशासन की ओर से कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। साथ ही अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए मेडिकल जांच, दस्तावेज सत्यापन और शारीरिक दक्षता परीक्षण के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया सुव्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संचालित हो रही है।

अनुशासन और समय पालन पर विशेष ध्यान

सेना अधिकारियों के अनुसार भर्ती रैली के दौरान अनुशासन और समय पालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सभी अभ्यर्थियों को पहले ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिससे उन्हें भर्ती प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। भर्ती रैली के शेष दिनों में अन्य श्रेणियों के लिए भी चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अग्निवीर भर्ती रैली के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को भारतीय सेना में सेवा का अवसर प्राप्त हो रहा है, जिससे क्षेत्र के युवाओं में उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा है।

सोल टेक श्रेणी के लिए 450 ने कराया पंजीकरण

14 दिसंबर को सोल टेक श्रेणी के अंतर्गत अग्निवीर क्लर्क एसकेटी और अग्निवीर टेक्नीशियन पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित की गई। इस दौरान सोनीपत, पानीपत और रोहतक जिलों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी भर्ती रैली में शामिल हुए। सेना से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोल टेक श्रेणी के लिए कुल 450 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 368 अभ्यर्थी निर्धारित समय पर भर्ती स्थल पर उपस्थित हुए।

चयनित अभ्यर्थियों में खुशी की लहर

शारीरिक दक्षता परीक्षण और प्रारंभिक जांच के उपरांत 280 अभ्यर्थियों को शारीरिक परीक्षा में सफल घोषित किया गया। सफल अभ्यर्थियों ने सेना द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार दौड़, ऊंचाई, वजन और अन्य शारीरिक मापदंडों को सफलतापूर्वक पूरा किया। चयनित अभ्यर्थियों के चेहरे पर सफलता की खुशी साफ झलक रही थी। सेना अधिकारियों ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और सेना के निर्धारित नियमों के अनुसार संचालित की जा रही है। किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए हर स्तर पर निगरानी रखी जा रही है।

स्कॉलर्स रोजरी स्कूल में वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

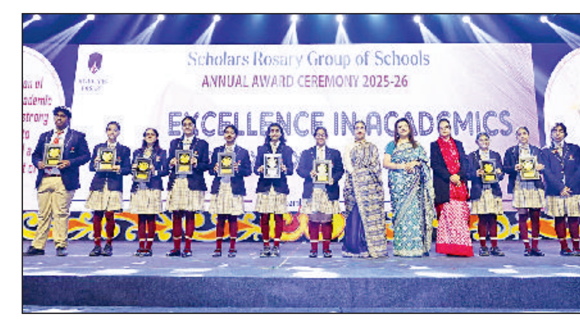

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्कॉलर्स रोजरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 6-7 व 11वीं 12वीं का वार्षिकोत्सव तथा पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। वार्षिकोत्सव का थीम -'भगवद् गीता के अध्याय' 'ज्ञान से मोक्ष की ओर' भाग-2 था। भगवद् गीता के साथ-साथ 'साहित्य उत्सव' भी आयोजित हुआ। श्री कृष्ण ने भगवद् गीता में अपने कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करने का संदेश दिया ना कि परिणाम पर। उसमें वर्णित आदर्श और सिद्धांत शाश्वत हैं। ज्ञान से मोक्ष का अर्थ है- आत्मज्ञान प्राप्त करना। इस अवसर पर सुमंत बत्रा, प्रसिद्ध वकील,लेखक और कुमाऊं साहित्य महोत्सव के संस्थापक, डॉक्टर हर्षाली सिंह लेखिका, कवयित्री और निर्णायक मंडल की सदस्या (साहित्य अकादमी), शालिनी मोदी लेखिका और भविष्यवक्ता (नई दिल्ली), रोटेरियन नीना गुलाटी उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथियों के साथ प्रधानाचार्या प्रीति गुगनानी तथा स्कूल के निदेशक रविंद्र गुगनानी ने दिया प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

विद्यार्थियों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

भगवान श्री कृष्ण की आराधना करते हुए विद्यार्थियों ने मनमोहक प्रस्तुति दी। महाभारत के युद्ध के दौरान अर्जुन के संशयों का निवारण करते हुए उन्हें ज्ञान से मोक्ष की ओर ले जाते हुए भगवान श्री कृष्ण ने अपने विराट रूप के दर्शन करवाएं। विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से पूरे दृश्य को जीवंत कर दिया। पुरस्कार वितरण समारोह में बेस्ट इन सब्जेक्ट, एक्सीलेंस इन एकेडमिक्स, जनरल प्रोफिशिएंसी, क्लास टॉपर, एक्सीलेंस इन स्पोर्ट्स, एक्सीलेंस इन आर्ट एंड कल्चर बेस्ट ड्रैमेटिक परफॉर्मेंस,स्टेज एंकर्स, ग्राफिक्स एक्सीलेंस, स्टार अचीवर्स, को-करिकुलर एक्टिविटीज, स्पेशल रिकॉग्निशन,शत- प्रतिशत उपस्थिति-विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत विद्यार्थियों को पदक प्रदान किए गए। सत्र 2024-25 में कक्षा दसवीं में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 167 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

रोहतक। खिलाड़ियों से परिचय लेते हुए इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार।

नेशनल स्टाइल कबड्डी का आयोजन

रोहतक। गांव सांघी के कारगिल शहीद समुंद्र सिंह हुड्डा की पांचवी बरसी पर नेशनल स्टाइल कबड्डी में सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहुंचे। जिसमें 40 टीमों ने भाग लिया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा युवा ही इस देश को तरक्की के मार्ग पर लेकर जा सकते हैं।

बलराज सिंह नांदल चौथी बार बने अठगामा के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अठगामा समाज की एक अहम पंचायत का आयोजन रविवार को बोहर स्थित अठगामा भवन में किया गया, जिसमें समाज के लोगों ने सर्वसम्मति से उन्हें चौथी बार अठगामा का प्रधान नियुक्त किया। पंचायत में मौजूद समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं और महिलाओं ने एक मत होकर बलराज सिंह नांदल के नेतृत्व पर भरोसा जताया और उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी। बलराज सिंह नांदल इससे पहले भी तीन बार प्रधान रह चुके हैं और अपने कार्यकाल के दौरान समाजहित में कई महत्वपूर्ण और जटिल फैसले लिए हैं। उनके नेतृत्व में समाज सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए गए, जिनका सकारात्मक असर समाज में देखने को मिला। विशेष रूप से नशा मुक्ति अभियान को उन्होंने प्राथमिकता दी और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए लगातार जागरूकता बनाए रखी। इसके साथ ही उन्होंने बेटियों की शिक्षा और उनके सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया। समाज में यह संदेश दिया गया कि बेटियां बोझ नहीं, बल्कि समाज की ताकत हैं। उनकी पहल पर कई परिवारों ने बेटियों को आगे पढ़ाने और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए।

विद्या श्री इंटरनेशनल स्कूल में मनाया वार्षिकोत्सव

- विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतिया से बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विद्या श्री इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिकोत्सव बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ टैगोर ऑडिटोरियम में मनाया गया। इस वर्ष का विषय आगाज- 12 के रंग, बच्चों के संग" रहा।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ अत्यंत मनमोहक रहीं। बच्चों ने हरियाणवी, पंजाबी, गुजराती, शास्त्रीय नृत्य, खेल प्रस्तुतियां, कल्कि सहित विभिन्न संस्कृतियों और विषयों को दर्शाते हुए अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। इन शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया

इस अवसर पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. आरती साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। वहीं डॉ. अपर्णा परमार एवं अधिवक्ता प्रीति बंसल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया, जिससे उनका सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित हो सके। विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. विकास सिवाच एवं प्राचार्य निदेशक रिचू सिवाच ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के साथ मिलकर विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

कार्यक्रम उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कैंसर जागरूकता वॉकथॉन को दिखाई हरी झंडी

कैंसर को लेकर निरंतर जागरूकता और व्यवहार में बदलाव की जरूरत : उपायुक्त

प्रतिभागियों के साथ पैदल चलकर नागरिकों से संवाद किया और स्वस्थ एवं निवारक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। कैंसर जागरूकता वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते उपायुक्त सचिन गुप्ता व एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन। फोटो : हरिभूमि

कैंसर की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाने, समय पर जांच और उचित चिकित्सा को लेकर रविवार सुबह देवी लाल पार्क से पॉजिट्रॉन अस्पताल, सेक्टर-35, सनसिटी, रोहतक तक कैंसर जागरूकता वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इस वॉकथॉन को उपायुक्त सचिन गुप्ता व एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन, अस्पताल के सीईओ अनिल यादव व डॉ. जिले सिंह कुंडु ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं भी प्रतिभागियों के साथ पैदल चलकर नागरिकों से संवाद किया और उन्हें स्वस्थ एवं निवारक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। सचिन गुप्ता ने कहा कि कैंसर आज भी एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। यह केवल एक चिकित्सीय समस्या ही नहीं, बल्कि एक सामाजिक समस्या भी है, जिसके लिए निरंतर जागरूकता और व्यवहार में बदलाव की आवश्यकता है।

कैंसर रोकने के लिए नियमित जांच जरूरी

उपायुक्त ने कहा कि नियमित जांच के माध्यम से शीघ्र निदान, समय पर चिकित्सकीय परामर्श तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर कैंसर से होने वाली मृत्यु दर को काफी हद तक कम किया जा सकता है और उपचार के बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए पॉजिट्रॉन अस्पताल की सराहना करते हुए कहा कि अस्पताल ने सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने में सराहनीय भूमिका निभाई है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए सामुदायिक सहभागिता और सामूहिक जिम्मेदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने परिवारों, कार्यस्थलों और पड़ोस में कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाएं, क्योंकि जागरूक समाज ही समय पर जांच सुनिश्चित कर सकता है। कैंसर के उन्नत चरण में उपचार से जुड़ी शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक परेशानियों को कम कर सकता है। इस वॉकथॉन में डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों, विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों तथा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को कैंसर की रोकथाम, जीवनशैली में सुधार, जोखिम कारकों तथा प्रारंभिक जांच के महत्व से संबंधित जानकारी भी दी गई।